कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2021–22 //

कक्षा : समस्त द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

विषय :– गांधी विचार धारा एवं ग्राम स्वराज

पाठ्यकम प्रमाण पत्र कोर्स

व्याख्यान के कुल घंटे: 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यन :03

पाठ्यकम अध्ययन का उद्देश्य :–

1. छात्राओं को गांधीजी के सम्पूर्ण जीवन का अध्ययन करवाना।
2. छात्राओं को गांधीजी के विचारों एवं प्रमुख अवधारणाओं से अवगत करवाना।
3. छात्राओं को गांधीजी के एकादश व्रत, रचनात्मक कार्यकम एवं गांधीयुग से अवगत करवाना।

गांधीजी का जीवन परिचय एवं अन्य व्यक्तियों के विचारों का प्रभाव –

1. परिवारिक जीवन
2. आर्थिक जीवन
3. शैक्षणिक जीवन
4. समाजिक जीवन
5. रस्किन एवं टॉलस्टाय के विचारों का प्रभाव

गांधीजी के एकादश व्रत एवं सर्वधर्म समभाव –

1. गांधीजी के एकादश व्रत
2. एकादश व्रत का व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में उपयोग।
3. धर्म की अवधारणा
4. गांधीजी के विचारों पर सभी धर्मो का प्रभाव
5. सर्वधर्म समभाव वृत्ति का विकास

महात्मा गांधी के प्रमुख विचार –

1. धार्मिक विचार
2. समाजिक विचार
3. शिक्षा संबंधी विचार (नई तालीम)
4. आर्थिक विचार
5. राजनीतिक विचार

अविरत.....2

गांधीजी की अवधारणा –

1. सत्य एवं अहिंसा संबंधी अवधारणाएं
2. ग्राम स्वराज – सिद्धांत और व्यवहार वर्तमान ग्रामीण जीवन में प्रासंगिकता
3. सर्वोदय विचार का विकास
4. ट्रस्टीशिप के सिद्धांत और व्यवहार
5. गांधीजी का पंचायती राज विचार – पंचायती राज का संवैधाानिक स्वरूप

गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान –

1. कौमी एकता और अस्पृश्यता निवारण
2. शराब बंदी और खादी
3. खादी और गॉवों की सफाई
4. राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका
5. असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोडों आंदोलन

संदर्भ ग्रंथ –

1. गांधी, एम.के. : सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
2. गांधीजी : हिन्द स्वराज, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
3. गांधीजी : रचनात्मक कार्यक्रम, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
4. गांधीजी : सर्वोदय, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली
5. मशरूवाला, कि.घा. : गांधी विचार दोहन, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
6. गांधी, मो.क. : मेरे सपनों का भारत, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी
7. विनोबा : स्त्री शक्ति : सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी
8. प्रतापसिंह : गांधीजी का दर्शन, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर
9. गांधीजी : सक्षिप्त आत्मकक्षा, नवजीवन प्रकाशन, मंदिर, अहमदाबाद

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

पाठ्यक्रम सत्र 2021–22

कक्षा – समस्त संकाय प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार (Rural Development)

पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र

व्याख्यान के कुल घंटे : 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यान : 03

क्र.	पाठ्यक्रम की विषयवस्तु
	प्रसार शिक्षा का परिचय – 1. प्रसार का परिचय – 1.1 अवधारणा, अर्थ 1.2 परिभाषा एवं महत्व 1.3 उद्देश्य 1.5 सिद्धांत 1.6 प्रसार शिक्षण सामग्रियों का वर्गीकरण, दृश्य, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य
	संचार – 1. **संचार का परिचय –** 1.1 अवधारणाएं, अर्थ 1.2 परिभाषा एवं महत्व 1.3 संचार के तत्व 1.4 संचार प्रकिया की विशेषताएं 1.5 प्रसार कार्य में संचार की भूमिका
	प्रभावी संचार – 1. **प्रसार में संचार माध्यम –** 1.1 दृश्य माध्यम – अर्थ, विशेषताएं, निर्माण एवं प्रसार में उपयोग 1.2 समूह माध्यम – अर्थ, विशेषताएं, एवं प्रसार में उपयोग 1.3 जन माध्यम – अर्थ विशेषताएं एवं प्रसार में उपयोग 2. **प्रभावी संचार से संबंधित कारक –** 2.1 प्रभावी संचार का अर्थ एवं विशेषताएं 2.2 संचार में बाधाएं
	प्रायोगिक – 1. शैक्षणिक भ्रमण – मानव चेतना विकास केन्द्र, ग्राम पिवडाय 2. गोद ग्राम मेमदी में सामुदायिक कार्य

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

पाठ्यक्रम सत्र 2021–22

कक्षा : समस्त संकाय द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

विषयः– ग्रामीण हस्तकला

पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र कोर्स

व्याख्यान के कुल घंटे : 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यान : 03

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थियो का हस्तकला के प्रति रूझान बढाना ।
2. पुष्प निर्माण कला के अंतर्गत कृत्रिम पुष्प निर्माण कला सिखाना, पुष्प पात्र सज्जा एवं कृत्रिम आभूषण तथा सजावटी साधनों के द्वारा गृह उपयोगी उपसाधन निर्माण कला सिखाना ।
3. स्वरोजगारों के प्रति जागरूकता का प्रयास करना।

क्र.	विषय विवरण
	– कृत्रिम **आभूषण** डिजाइन : 1. कृत्रिम आभूषण का अर्थ एवं आवश्यकता। 2. चूडियॉ निर्माणयोजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में ावधानियॉ 3. कंगन निर्माण योजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि एवं निर्माण में सावधानियां। 4. एयरिंग्स योजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में सावधानियॉ। 5. अन्य आभूषण– साडी पिन, जूडा पिन, 'की' रिंग आवश्यक सामग्री निर्माण विधि एवं सावधानियॉ। 6. निर्मित साधन की लागत निकालना।
	– **कृत्रिम पुष्प** निर्माण : 1. कृत्रिम पुष्प व्यवस्था का अर्थ, उपयोगिता एवं लाभ 2. कृत्रिम पुष्प निर्माण के साधन पुष्प निर्माण हेतु कपडे के प्रकार – अवरगंडी स्टोकिंग (तीन प्रकार) आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में सावधानियॉ पुष्प निर्माण हेतु पेपर – क्रेप पेपर, पुराने न्यूज पेपर से फूल बनाना पुष्प निर्माण क्ले के द्वारा आवश्यक सामग्री, निर्माण विधि 3 कृत्रिम बोनसाय – बोनसाय का अर्थ एवं उपयोगिता – कृत्रिम बोनसाय की निर्माण सामग्री – कृत्रिम बोनसाय निर्माण में सावधानियॉ 4. निर्मित साधन की लागत निकालना

अविरत.....2

	– **कृत्रिम रंग निर्माण** 1. होली के प्राकृतिक रंग तैयार करना। 2. प्राकृतिक रंग का अर्थ 3. रंग के प्रकार – (1) सूखा रंग (2) तरल रंग 4. रंग निर्माण के वनस्पतिक स्त्रोत – नीम, मेंहदी, धोई, टेसू, चुकन्दर पालक सतरे एवं नीबू के छिलके 5. निर्माण सामग्री एकत्र करने के तरीके 6. रंग निर्माण की विधि 7. निर्माण में सावधानियाँ 8. उत्पादन का विक्रय
	– **पुष्प पात्र सज्जा :** 1. पुष्प पात्र सज्जा का अर्थ एवं महत्व 2. **पुष्प पात्र सज्जा के साधन**– क्ले एवं कलर, पेंट, रेत, कंकरीट एवं रंग से सज्जा मोम, मोती एवं डोरियां, कांच, जरी इत्यादी से पुष्प पात्र सज्जा करने की विधियाँ 3. ओरिगेमी (पेपर वर्क) से पात्र सज्जा
	– **– प्लाय या अन्य आधार** (एकेलिक शीट, फोम शीट, **अनुपयोगी पात्र) पर सजावटी एवं उपयोगी साधनों का निर्माण :** 1. बन्दनवार (दो प्रकार) निर्माण सामग्री, निर्माण विधि एवं सावधानियाँ 2 बहुउद्देशीय रांगोली से तात्पर्य 3 रांगोली निर्माण के साधन – प्लाय, एकेलिक एवं फोम शीट, कलर, कुंदन, मोती, जरी निर्माण विधि एवं सावधानियाँ 4. कलश एवं थाल सज्जा – आवश्यक सामग्री – कलर, कुंदन, जरी, डोरी, मोती, सिरोसक्की आदि 5. निर्माण विधि एवं सावधानियाँ 6. निर्मित साधन की लागत निकालना